हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 17 मई 2026

12 हैप्पी पब्लिक स्कूल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

12 बिजली से परेशान ग्रामीणों ने हांसी-बरवाला रोड किया जाम

खबर संक्षेप

गुजवि के तीन एमबीए छात्रों को मिला प्लेसमेंट

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के एमबीए प्रोग्राम के तीन विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। सहायक प्लेसमेंट निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि इस ड्राइव में चयनित विद्यार्थियों में एमबीए मार्केटिंग से आशुतोष वशिष्ठ, एमबीए आईबी से गरिमा और एमबीए जनरल से जोगेंद्र शामिल हैं

किरतान में डेंगू दिवस पर लोगों को जागरूक किया

हिसार। जिले के गांव किरतान में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर कार्यक्रम किया गया। इसका आयोजन उप स्वास्थ्य केन्द्र किरतान ने मेरा युवा भारत केन्द्र एवं आजाद हिन्द युवा क्लब के सहयोग से किया। इस मौके पर चिकित्सक डॉ. सलोचना ने लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक किया।

पक्षियों के पानी के लिए मिट्टी के सकोरे बांटे

हिसार। अणुव्रत समिति की ओर से टाऊन पार्क में पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए निशुल्क मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षाविद शारदा पाहवा मुख्य अतिथि व सतेंद्र यादव, श्रवण पाहवा व संजय सेहरा विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि शारदा पाहवा ने कहा कि इस भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षी प्यास से विचलित रहते हैं और पानी का आश्रय खोजते हैं इसलिए मानव होने के नाते हमारा फर्ज है कि हम उनके लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें।

हाई प्रेशर हाइड्रोलिक तकनीक से होगी सीवरेज एवं ड्रेनेज की सफाई

हिसार को मिली 2.55 करोड़ रुपये की सुपर सकर मशीनें

हिसार। उद्घाटन करते जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, साथ हैं, मेयर प्रवीण पोपली व अन्य।

- हिसार शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मिलेगी मजबूती
- अत्याधुनिक मशीन शहर की सफाई व्यवस्था को नई क्षमता प्रदान करेगी : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

शहर की स्वच्छता एवं सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए लगभग 2.55 करोड़ की लागत की सुपर सकर मशीनें हिसार को मिली है। शनिवार से इन मशीनों के माध्यम से ड्रेनेज और सीवरेज सफाई का कार्य आरंभ कर दिया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि ये अत्याधुनिक मशीन शहर की सफाई व्यवस्था को नई क्षमता प्रदान करेगी तथा सीवर एवं ड्रेनेज प्रणाली को अधिक सक्षम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। सुपर सकर मशीन में मुख्य रूप से सक्शन-कम-जेटिंग यूनिट (पाइप लंबाई 120 मीटर), सक्शन डंप टैंक (10,000 लीटर क्षमता) तथा अतिरिक्त जल टैंक (9,000 लीटर क्षमता) जैसे आधुनिक उपकरण शामिल हैं। यह मशीन विशेष रूप से बरसाती नालों तथा 2000 मिमी व्यास तक की सीवर लाइनों की डी-सिल्टिंग और डी-चोकिंग में सक्षम है। हाई प्रेशर हाइड्रोलिक तकनीक के माध्यम से यह सीवर लाइनों की प्रभावी सफाई कर जाम हटाने का कार्य करेगी, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक बेहतर होगी। इसके साथ ही, सक्शन डंप टैंकों के माध्यम से सीवर एवं नालों से निकाले गए कचरे, गाद एवं अपशिष्ट पदार्थों का सुरक्षित संग्रहण एवं परिवहन किया जाएगा, जिससे स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

विधायक सावित्री जिंदल ने मुख्यमंत्री व जन स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

हिसार। शहर की स्वच्छता एवं सीवरेज व्यवस्था को आधुनिक, सुदृढ़ और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में 2.55 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक 'सुपर सकर मशीन' मिली है। मशीन के शुभारंभ पर विधायक सावित्री जिंदल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा का आभार जताया है। सावित्री जिंदल ने कहा कि पूर्व मंत्री स्व. ओपी जिंदल के आशीर्वाद और वर्तमान सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों के चलते आज हिसार वासियों का स्वच्छ-स्वस्थ हिसार का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसुविधाओं और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। यह अत्याधुनिक सुपर सकर मशीन पूरे हिसार परिवार के जीवन स्तर और शहर के पर्यावरण को सुधारने में एक युगांतकारी कदम साबित होगी।यह सुपर सकर मशीन शहर के मुख्य बरसाती नालों तथा 2000 मिमी व्यास तक की बड़ी सीवर लाइनों की डी-सिल्टिंग और डी-चोकिंग करने में सक्षम है। हाई प्रेशर जेटिंग तकनीक के माध्यम से सीवर लाइनों की सफाई का कार्य न केवल बेहद तेज होगा, बल्कि पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी भी होगा। इससे सीवर से निकलने वाले कचरे, गाद और अपशिष्ट पदार्थों का सुरक्षित संग्रहण और परिवहन किया जा सकेगा, जिससे शहर को जलभराव और गंदगी से होने वाली बीमारियों से मुक्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग प्रदेश में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने, सीवरेज व्यवस्था को मजबूत करने, जल निकासी प्रणाली को बेहतर बनाने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसुविधाओं के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, अजयकांत जांगड़ा, ललित शर्मा, अभिषेक शर्मा, एसई तरुण गर्ग सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं से करोड़ों परिवारों को लाभ मिला : कृष्ण बेदी

- भाजपा के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का प्रथम दिवस उत्साह के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, विधायक विनोद भयाना व अन्य।

भाजपा द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत हांसी जिले का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग शहर के श्री श्याम भवन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस में जिला कार्यकारिणी सहित हांसी, बरवाला और नारनौंद विधानसभा के मंडलों के कार्यकर्ताओं ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने प्रदर्शनी उद्घाटन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा हांसी जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने की।

प्रथम सत्र में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं से करोड़ों परिवारों को लाभ मिला है। इस सत्र की अध्यक्षता विधायक विनोद भ्याना ने की। दूसरे सत्र में भाजपा प्रदेश मंत्री सुरेंद्र आर्य ने हमारी कार्य पद्धति विषय पर संगठनात्मक मजबूती और अनुशासन पर अपने विचार रखे। सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू ने की। तीसरे सत्र में भाजपा हरियाणा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां विषय पर संबोधित करते हुए राष्ट्रहित में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया ने की।

चौथे सत्र में भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन व पांचवें सत्र में प्रदेश सह संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ ऋषिपाल मथाना ने अपने विचार सांझा किए। इस सत्र की अध्यक्षता मंजित जांगड़ा ने की। अंतिम सत्र में भाजपा हरियाणा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने सोशल मीडिया, आईटी और मीडिया के प्रभावी उपयोग पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता प्रदेश सह मीडिया प्रभारी संदीप आजाद ने की।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि नए जिले में पहली बार आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और कार्यकर्ताओं ने पूरे अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद डीपी वत्स, प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेंद्र, जिला प्रभारी सुनीता डांगी, वर्ग पर्यवेक्षक शिशपाल कंबोज, वर्ग प्रभारी ऋषिपाल शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन, जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान और निशा श्योराण सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार ने गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं की लागू

तहत अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है ताकि कोई भी जनकल्याण की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करके उनका लाभ गरीब व जरूरतमंद तक पहुंचाएं।

हिसार। राज्य के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि हरियाणा सरकार ने गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया है। इन योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर गरीब व जरूरतमंद वर्ग को मिल रहा है, जिससे इन वर्गों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। रणबीर गंगवा शनिवार को शहर के मिलेनियम पैलेस में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान-2026 के शुभारंभ अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने की। मंत्री गंगवा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सदैव अंत्योदय रहा है, जिसके

SHREE KALI DEVI VIDYA MANDIR, HANSI

(A Co-Educational English Medium Senior Secondary School) Model Town Hansi (Hisar) Website : www.skdvm.edu.in | Email : info@skdvm.edu.in | Ph. 01663-259871

The Spirit of Victory Continues

A Symphony of Congratulations to Students, Teachers and Parents

C.B.S.E. RESULT 2025-26

Excellence Redefined at SKDVM

ARCHITECTS OF SUCCESS

CLASS - XII

AAYUSH - 97.2 % (ARTS)

SIDDHI - 95.4 % (COMMERCE)

JATIN GARG - 92.8 % (SCIENCE)

CLASS - X

PARAS KHERA 98.2%

MANANVEER 97.6%

LATIKA 97.4%

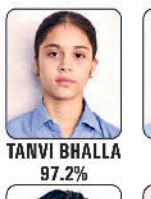

TANVI BHALLA 97.2%

ABHINAV 97%

KHUSHI CHOPRA 96.8%

DIVYAM 96.6%

DEVANSH MADAN 96.4%

HEMANT 96.4%

GUNJAN 96.2%

NIYATI 96.2%

OUR GLORIOUS CONSTELLATION

COMMERCE

URVASHI 93.8%

AAYUSHI 93.4%

IKSHIKA YADAV 93.4 %

PIYUSH 93.2 %

BULBUL 92.8%

TISHIKA 92.4 %

JAANHAVEE 92.4 %

SARISHTI 92%

KANAV GOYAL 91.6 %

ANGEL JAIN 91.2 %

POOJA 90.6 %

MEHUL GOYAL 90.4 %

KAIVELYA SAINI 90.2 %

Humanities

ANSHU 94 %

SANJU 93.2 %

BHAWNA RANI 92.2 %

SAMEENA 92.2 %

SUNITA 92.2 %

BHAVIKA SAINI 92 %

SCIENCE

SONAM 91%

Subject wise Toppers Class XII

Subjects	Students	Marks
Painting	Sonam, Gohar, Kashish, Jai Khera, Dikshu, Mohit, Tripti, Pankaj, Aayushi, Ikshika Yadav, Piyush, Bhumit, Punya, Diksha, Anshu, Sanju, Anshika Jain	100
Computer Sci.	Jatin Garg	100
Accountancy	Siddhi	99
English	Punya	99
Hindi	Bhavika Saini	98
Pol. Sci.	Aayush	98
Economics	Urvashi, Jannat, Bhumit	98
History	Aayush	98
Geography	Aayush	97
Buss. Stu.	Piyush	96
Biology	Ritika	93
Physics	Jatin Garg	93
Chemistry	Sonam	93
Phy. Edu.	Sanju, Sameena	90
Mathematics	Divay	90

Results

Students Appeared	Class XII 156	Class X 208
90% and above	23	56
80% and above	69	124
75% and above	87	143

JIYA KUMARI 96%

KHUSHI 95.8%

PALAK 95.8 %

RISHABH JAIN 95.6%

HANSIKA BAMEL 95.4%

AKSHAY 95.4%

BHAVYA 95.2 %

PARV 95.2%

DIVYANSHI 95.2%

JEEVANSH MUNJAL 95%

ANVI 95%

DRISHTI 94.8%

UTSAV BALHARA 94.6%

SAANWARIYA 94.4%

VANSH ARORA 94.4%

KANISHKA 94.4%

SAESHA 94.2%

AARUSH JAIN 94.2%

ARPITA SINGH 94.2%

PREET SIHAG 93.6%

CHIRAG 93.6%

MAYANK 93.4%

RUDRA RAI MITTAL 93.4%

DURGESH AGGARWAL 93.4%

ROHAN 93.4%

BARBIE 93.4 %

DIVYAM JAIN 93.4%

PUSHKAR 93%

SHAGUN 93%

UDAY 93%

KASHVEE 93%

GOURAV BERWAL 92.6%

YASH KUMAR 92.6%

KHUSHI 92.2%

TEKSHIKA 92%

KIRTI 91.6%

TISHA RAKHEJA 91.6%

DEEKSHA SHARMA 91.4%

GURJEET 91.4%

TEJI KAUSHIK 91.4%

KESHAV 91.4%

JANVI 90.8%

MANVIK KAINDAL 90.4%

MOKSHITA 90.2 %

SAMARTH 90.2%

Students' perseverance combined with relentless drive and grit, culminated in a spectacular victory that brings further prestige to SKDVM.

Subject wise Toppers Class X

Subjects	Students	Marks
Information Tech.	Paras Khera, Mananveer, Abhinav, Khushi Chopra, Devansh Madan, Sakshi	100
English	Paras Khera, Latika, Niyati, Hansika Bamel	99
Hindi	Abhinav, Khushi	99
Social Science	Hemant	99
Science	Paras Khera, Mananveer, Saanwariya	99
Mathematics	Paras Khera, Mananveer, Mayank	95

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।
इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट

बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है?
डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?
असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं।

शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने भगोड़े आरोपी को किया गिरफ्तार

हिसार। 12 क्वार्टर पुलिस चौकी ने एक पीओ को काबू किया है। प्रभारी सहायक सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर एक पीओ को काबू किया गया है। आरोपी पीओ की पहचान बरवाला के वार्ड एक में रहने वाले सुलचानी गांव निवासी सोनू के रूप में हुई है। आरोपी पीओ इससे पहले अदालत से एनआईए एक्ट में पीओ घोषित था। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

32 बोतल अवैध शराब सहित एक काबू

हिसार। मगांली पुलिस ने गांव मगांली आकलान से एक व्यक्ति को 32 बोतल नाजायज शराब मार्का माल्टा मस्ती सहित काबू किया है। एएसआई विनय कुमार ने बताया कि पकड़े गये आरोपी की पहचान मंगाली आकलान निवासी गणपत राय के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम के साथ गश्त के दौरान एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोका गया, जिसके पास एक कट्टा पलास्टिक था। तलाशी में उसके कब्जे से अवैध शराब की 32 बोतलें मिलीं।

सृष्टि इंटरनेशनल सामान्य ज्ञान स्पर्धा

नारनौंद। सृष्टि इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल मोठ में शनिवार को चारों सदनों में भगत सिंह हाउस, सुखदेव हाउस, राजगुरु हाउस एवं नेताजी सुभाष हाउस के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में नेताजी सुभाष हाउस के छात्र शिक्षा, सार्थक, चेतन, हर्षिता, अभिनव, अवनी, नैतिक एवं दिव्या ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि भगत सिंह हाउस द्वितीय स्थान पर रहा।

गांजा तस्करी करने का आरोपी गिरफ्तार

हांसी। सीआईए नारनौंद पुलिस ने एक आरोपी को 1 किलो 30 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान बिहार के समस्तीपुर के गांव इंद्रवाड़ा निवासी तथा वर्तमान में काठ मंडी हांसी निवासी विनोद सहनी के रूप में हुई है। उप निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कुल्फी बेचने की आड़ में नशीले पदार्थ की तस्करी करता है और फव्वारा चौक से कोर्ट चौक की ओर आने वाला है। पुलिस टीम ने कोर्ट चौक पर नाकाबंदी और उक्त व्यक्ति को संदेह के आधार पर रोककर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो 1 किलो 30 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।

टाटा-एस व बाइक की भिड़ंत में चार घायल

हांसी। उमरा रोड पर शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे टेंपो और बाइक की की भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए, जबकि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। राहगीरों ने घायल लोगों को उपचार हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जगदीश कॉलोनी निवासी 37 वर्षीय सत्यवान टेंपो से हांसी की ओर आ रहा था। उमरा रोड स्थित धर्मशाला के पास बाइक से उसकी टक्कर हो गई। बाइक पर गांव कंवारी निवासी संजय, भगत और घोलू सवार थे।

हड़ताल खत्म होने के बावजूद कचरे के ढेर बने मुसीबत

आग लगाकर निपटा रहे कूड़ा, धुआं फैलने से बढ़ रहा पर्यावरण प्रदूषण

एनजीटी के आदेशों की खुलेआम हो रही अवहेलना, लोगों को उठानी पड़ रही भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के हल के लिए हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारियों की मांगे मानने का आश्वासन तो सरकार ने 14 दिन बाद दे दिया लेकिन सफाई कर्मचारियों की असल परीक्षा अब शुरू हुई है। शहर के जगह-जगह लगे गंदगी के ढ़ेर मुसीबत बन गए हैं और उन्हें उठाकर ठिकाने लगाना मुश्किल हो रहा है। इसी के चलते अब शहर में जगह-जगह पड़े कचरे को जलाकर ठिकाने लगाने का प्रयास किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर वायु प्रदूषण का कारण व एनजीटी के आदेशों की अवहेलना है।

हालांकि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन गाड़ियां दोबारा सड़कों पर उतर आई है और वे घरों से कचरा उठा रही है लेकिन शहर में विभिन्न स्थानों पर कचरे के ढ़ेर अब भी ज्यों के त्यों पड़े हैं। हड़ताल के दौरान जमा हुआ लगभग तीन हजार टन कचरा अब नगर निगम के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। शहर के बाजारों, कॉलोनियों, मुख्य सड़कों और खाली प्लॉटों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हिसार। राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल जहाज पुल के पास कचरे में उठता धुएं का गुबार। फोटो : हरिभूमि

कूड़ा जलाना चिंताजनक

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कचरे के ढेरों को उठाने की बजाय कई स्थानों पर उनमें आग लगाकर निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में जलते हुए कचरे से धुएं के गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। इससे आसपास रहने वाले लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

एनजीटी के आदेशों की अवहेलना

खुले में कचरा जलाना एनजीटी के आदेशों का भी उल्लंघन है। एनजीटी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पहले ही खुले में कचरा जलाने पर रोक लगा चुके हैं। इसके बावजूद शहर में लगातार कचरा जलाया जाना प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े कर रहा है। शहरवासियों की मांग है कि नगर निगम विशेष अभियान चलाकर जमा हुए कचरे का निस्तारण करने को कदम उठाएं।

कचरे से फैल रही दुर्गंध

हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में पड़े कचरे से दुर्गंध फैल रही है जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है। शहरवासियों का कहना है कि हड़ताल खत्म होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जल्द सफाई व्यवस्था पटरी पर लौट आएगी, लेकिन अभी तक कई क्षेत्रों से कचरा नहीं उठाया गया है।

अब लगेगी दोगुनी मेहनत

हड़ताल भले ही समाप्त हो गई हो लेकिन शहर के मौजूदा हालातों को देखते हुए यह तय है कि सफाई व्यवस्था को पूरी तरह पटरी पर लौटाने के लिए अभी काफी मेहनत करनी होगी। सफाई कर्मचारियों को पहले से दोगुनी मेहनत करनी होगी, जिससे कि वे शहर को फिर से चमकाया जा सकें।

स्वेट कमांडो टीम ने बीयर व अवैध शराब के साथ दो आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- टीम ने अलग-अलग स्थानों पर चलाया चेकिंग अभियान

पुलिस की स्वेट कमांडो टीम ने जिले में अलग अलग स्थानों पर अभियान चलाकर बीयर व अवैध शराब सहित दो आरोपी पकड़े हैं। स्वेट कमांडो टीम-1 व डॉग स्क्वायड की टीम ने एएसआई राजेश कुमार, सुरक्षा सहायक थाना उकलाना के नेतृत्व में गांव प्रभुवाला में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान गांव प्रभुवाला क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही थी। इसी दौरान एक वैगनार कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध बीयर बरामद हुई। पुलिस द्वारा गाड़ी से कुल 25 पेटी अवैध बीयर बरामद की गई, जिनमें 5 पेटी थंडरबोल्ट, 5 पेटी बुडवाइजर, 5 पेटी किंगफिशर, 5 पेटी टूबर्ग तथा 5 पेटी कार्ल्सबर्ग बीयर शामिल हैं। मामले में बुढ़ाखेड़ा निवासी जोगेन्द्र सिंह गिरफ्तार किया गया।

एक अन्य मामले में स्वेट कमांडो टीम-2 ने कालीरावण गांव में तलाशी अभियान चलाकर 16 बोतल अवैध शराब सहित एक आरोपी पकड़ा है। स्वेट कमांडो टीम-2 व डॉग स्क्वायड की टीम ने अग्रोहा थाना के एसआई शेषकरण के नेतृत्व में गांव कालीरावण में सघन चैकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान गांव कालीरावण क्षेत्र में संदिग्ध एरिया की तलाशी ली जा रही थी। इसी दौरान आरोपी नंदलाल के कब्जे से 16 बोतल अवैध शराब देशी ठेका मार्का माल्टा व शहनाई बरामद हुई।

सरस्वती हाई स्कूल में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

उकलाना। सरस्वती हाईस्कूल मे इन्वेस्टिचर एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के चारों सदनों के इंचार्जों ने विद्यार्थियों को अपने-अपने हाउस की विशेषताओं एवं जिम्मेदारियों के बारे में प्रेरणादायक जानकारी दी। गांधी हाउस की इंचार्ज पूनम सपरा, नेहरू हाउस के इंचार्ज संदीप कुमार, टैगोर हाउस के इंचार्ज सुरेंद्र सिंह तथा नेताजी हाउस की इंचार्ज दीपिका ने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना का महत्व समझाया। कार्यक्रम का संचालन दीपिका गिरधर ने प्रभावशाली ढंग से किया। समारोह में विभिन्न सदनों के छात्र प्रतिनिधियों का चयन किया गया। गांधी हाउस से भूमि को कैप्टन तथा पार्थ को वाइस कैप्टन, नेहरू हाउस से शिवम को कैप्टन एवं जीविका को वाइस कैप्टन, टैगोर हाउस से स्नेहा को कैप्टन तथा ओवीर को वाइस कैप्टन चुना गया। वहीं नेताजी हाउस से नीतिका को कैप्टन और अंजिका को वाइस कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी गई।

वेदा हॉस्पिटल ने 'फैमिली मीट 2026' में मनाया मातृत्व और पितृत्व का जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अग्रणी संस्थान, वेदा हॉस्पिटल सेक्टर 16-17 द्वारा शनिवार को अपने परिसर में फैमिली मीट 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उन दर्जनों परिवारों और बच्चों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने डॉ. मीनू देसवाल भाकर की मदद से माता-पिता बनने का अपना सपना पूरा किया है। कार्यक्रम में आए नन्हे-मुन्नों और उनके माता-पिता के लिए कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस भावुक और गौरवपूर्ण अवसर पर वेदा हॉस्पिटल की डॉ. मीनू देसवाल भाकर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एक सूनी गोद को भरते और परिवारों को पूरा होते देखना हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। आज का यह कार्यक्रम न केवल इन नन्हे चमत्कारों का जश्न है, बल्कि आधुनिक फर्टिलिटी तकनीकों की सफलता और उन माता-पिता के अटूट विश्वास का भी प्रमाण है, जिन्होंने हिम्मत नहीं हारी। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण वह था जब विभिन्न परिवारों ने निसंतानता से लेकर माता-पिता बनने तक के अपने संघर्ष और खुशी के सफर को मंच पर साझा किया। कई भावुक पिताओं और माताओं की आंखों में खुशी के आंसू साफ देखे जा सकते थे। कार्यक्रम का समापन एक भव्य केक-कटिंग सेरेमनी और सभी बच्चों को विशेष उपहार वितरित कर के किया गया।

हिसार। फैमिली मीट में मातृत्व और पितृत्व का जश्न मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

म्हारी हरी-भरी हांसी महा अभियान 26 जून से

विधायक विनोद भयाना करेंगे शुभारंभ, बड़े पैमाने पर होगा पौधरोपण

- ग्राम पंचायतों की अभियान में रहेगी सक्रिय भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

जिला प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 जून 2026 से म्हारी हरी-भरी हांसी महाअभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी अभियान का शुभारंभ विधायक विनोद भयाना द्वारा किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि अभियान के अंतर्गत शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा पर्यावरण जागरूकता से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण की सफलता को देखते हुए अब म्हारी हरी-भरी हांसी द्वितीय अभियान को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। इस अभियान में विभिन्न विभागों, स्कूल-कॉलेजों, युवा संगठनों, महिला मंडलों, व्यापारिक संस्थाओं तथा ग्रामीण व शहरी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि अभियान के दौरान प्रत्येक गांव एवं वार्ड स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हांसी। पिछले वर्ष लगाए गए पौधों का अवलोकन करते एसडीएम राजेश खोथ व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पिछले साल लगाए गए पौधों का किया अवलोकन

एसडीएम राजेश खोथ ने पिछले वर्ष चलाए गए म्हारी हरी भरी हांसी अभियान के अंतर्गत भाटला गांव में रोपित पौधों का अवलोकन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पौधों के विकास को देखकर काफी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को रोपित पौधों की देखभाल करनी चाहिए। स्वयं द्वारा लगाए गए पौधों को बढ़ते देखकर गर्व एवं आनंद की अनुभूति होती है। हर व्यक्ति को इस अनुभूति का एहसास करना चाहिए।

हिसार। शनिदेव महाराज का पूजन करते मंदिर प्रधान रमेश कुमार लोहिया व अन्य।

मोती बाजार हनुमान मंदिर में शनिश्चरी अमावस्या पर लगा भंडारा, उमड़े श्रद्धालु

हिसार। शहर के मध्य स्थित सिद्ध श्री हनुमान मंदिर मण्डल ट्रस्ट, मोती बाजार में न्याय के देवता शनि महाराज के जन्म दिवस व शनिश्चरी अमावस्या पर विशाल भंडारा लगाया गया। मंदिर के पुजारी पं. राजेश शास्त्री ने मंदिर के प्रधान रमेश कुमार लोहिया व महासचिव अनूप गुप्ता के सानिध्य में काले तिल-उड़द व तेल से शनिदेव का अभिषेक करवाया। मंदिर में इसी वर्ष शनि महाराज, राहु, केतु का विशेष आकर्षित दरबार स्थापित किया गया है। आरती व भोग उपरांत मंदिर के बाहर पुरानी तहसील चौक में पूरी-सब्जी, खीर व इमरती का प्रसाद वितरित किया गया जहां हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की सुचारु व्यवस्था करने के लिये एवं भक्तों को हर संभव सहयोग देने के लिए मंदिर के पदाधिकारी सज्जन गुप्ता, अमित गुप्ता, अशोक जैन, महेन्द्र बंसल, परसराम, अनिल जिंदल, सुदेश सोनी, संजीव शर्मा, प्रामेद जैन, राजेश कुमार गोयल (लोहिया), पवन, इन्द्र सैन, राजीव जिंदल, पवन बंसल डाबड़ा वाले, प्रदीप, सुभाष सोनी, त्रिलोक डालमिया, रोशनलाल गोयल, राजेश बंसल लोहिया, सुभाष बंसल आदि पूरी निष्ठा से तत्पर रहे। पूरा मंदिर भगवान शनिदेव के जयकारों से गुंजायमान रहा।

हनुमान मंदिर, जवाहर नगर में शनि जयंती पर सुंदर कांड का पाठ कर किया हवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जवाहर नगर की गली नंबर दो स्थित श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर समिति में शनि जन्मोत्सव (शनि जयंती) धूमधाम से मनाई गई। मंदिर समिति के प्रधान इंद्र चंद राठी ने बताया कि प्रातः मंदिर प्रांगण में सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने पाठ का उच्चारण किया। उसके बाद तेलाभिषेक-पूजन किया गया तदोपरांत हवन किया गया। हवन में समाजसेवी रविचंद हांडा सपरिवार यजमान के रुप में उपस्थित हुए। सभी श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां डालीं। इस अवसर पर हनुमान दास राठी, के.के.सेहरा, भगतचंद महता, ललित राठी, राकेश राठी, विजय चुघ, राजेश कुमार, रमेश सुखीजा, शिवदयाल डेम्बला, शंकर दास बजाज, वेदप्रकाश पड़वाल, महेश राठी, ओ.पी.सुखीजा, सुरेन्द्र सिहाग, हरबंस ग्रोवर, रामनारायण, नरेन्द्र रेवड़ी, जगदीश सपड़ा आदि मौजूद थे।

- श्रद्धालुओं ने पाठ का किया उच्चारण व हवन में डालीं आहुतियां

हिसार। हनुमान मंदिर, जवाहर नगर में हवन में आहुति डालते श्रद्धालु।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल कैद, एक लाख रुपये का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील जिंदल की कोर्ट ने नाबालिग से रेप के आरोपी राकेश उर्फ काकू को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने पांच साल पुराने मामले में शनिवार को फैसला सुनाया।

- अदालत ने पांच साल पुराने मामले में सुनाया फैसला

मामले के अनुसार पुलिस ने 2021 में 17 वर्षीय नाबालिग की शिकायत पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने शुरुआत में अज्ञात युवक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कर जांच के लिए सदर भिवानी थाना भेजा था। बाद में यह मामला हिसार पुलिस के पास वापस आ गया। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि घटना से लगभग एक साल पहले वह परिवार के साथ भिवानी के एक ईंट भट्ठे पर काम करने गई थी। अप्रैल 2021 की रात करीब 12 बजे जब वह लघुशंका के लिए बाहर निकली तो अज्ञात युवक ने पकड़कर रेप किया और फरार हो गया। आरोपी करीब 27-28 साल का था लेकिन अंधेरा होने के कारण वह उसे पहचान नहीं पाई। उसने बताया कि वह सलेट लिखने में इस्तेमाल होने वाली बरती खाती थी, जिसके कारण उसे लगा कि पेट दर्द उसी वजह से हो रहा है। कुछ समय बाद रात को जब पेट में अधिक दर्द हुआ तो उसने अपनी मां को बताया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह गर्भवती है और जल्द ही बच्चे को जन्म देने वाली है। पीड़िता ने अप्रैल 2021 की रात हुए रेप के कारण ही गर्भवती होने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया था।

दो दिन में शुरू होंगे 16 अमृत सरोवरों के निर्माण एवं पुनरुद्धार कार्य : सीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- ग्रामीण इलाकों में जल संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जिले के विभिन्न खंडों में अमृत सरोवरों के निर्माण एवं पुनरुद्धार कार्यों को गति दी जा रही है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्र ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के 9 खंडों में 16 अमृत सरोवरों के निर्माण व जीर्णोद्धार के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों को आगामी दो दिनों के भीतर शुरू कर दिया जाएगा।

इन परियोजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं मनरेगा के तहत स्थानीय मजदूरों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। सीईओ ने बताया कि जिले के जिन गांवों में अमृत सरोवरों के निर्माण एवं पुनरुद्धार कार्य किए जाएंगे उनमें खरकड़ी, तलवंडी राणा, सोथा, ढांड, बधावड़, ब्याना खेड़ा, गैबीपुर, नया गांव, बुढ़ा खेड़ा, बोबुआ, छान, खरिया तथा बीड़ हिसार सहित अन्य गांव शामिल हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि अमृत सरोवर योजना का उद्देश्य गांवों में जल स्रोतों का संरक्षण, भूजल स्तर में सुधार तथा पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना है। इन सरोवरों के निर्माण से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

धरनारत ग्रामीण बोले : पानी पर हमारा अधिकार, पेयजल कनेक्शन दे प्रशासन

भाखड़ा जल परियोजना का काम रोककर धरने पर बैठे ग्रामीण

- पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई ने मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

चैनत गांव में ग्रामीणों ने भाखड़ा नहर जल परियोजना का काम रोक दिया। ग्रामीण गांव के पास से गुजर रही पाइपलाइन से पेयजल कनेक्शन की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने धरना दिया और काम में लगी मशीन को भी रोक दिया। प्रदर्शन में महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

ग्रामीणों ने शनिवार को कहा कि उनके गांव में वर्षों से पीने के पानी की गंभीर समस्या है। अब जब भाखड़ा परियोजना की पाइपलाइन उनके गांव के पास से गुजर रही है, तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

मौके पर पहुंचे पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई विक्रम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे इस मामले को अपने उच्च अधिकारियों के समक्ष रखेंगे और जो भी संभव विकल्प होंगे, उन पर विचार किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह परियोजना विशेष रूप से हांसी शहर के लिए बनाई जा रही है, इसलिए सीधे तौर पर इससे पानी देना संभव नहीं है। स्थिति को देखते हुए भाटला चौकी पुलिस भी मौके पर तैनात रही। फिलहाल ग्रामीणों का धरना जारी है और प्रशासन मामले का समाधान निकालने में जुटा हुआ है।

हालांकि, 15 दिन बीत जाने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ, जिसके कारण ग्रामीणों को धरना देने पर मजबूर होना पड़ा। सरपंच ने कहा कि यदि इस पाइपलाइन से गांव को कनेक्शन नहीं दिया जा सकता, तो खरकड़ी माइनर से भी गांव के वाटर वर्क्स को जोड़ने का विकल्प मौजूद है।

हांसी। चैनत गांव में धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव में लंबे समय से पेयजल का संकट : सरपंच

गांव के सरपंच हिमांशु ने बताया कि चैनत गांव की आबादी लगभग 8 हजार है और गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर ऊपर आने के कारण खारा पानी वाटर वर्क्स के टैंक में मिल जाता है, जिससे पूरे गांव में खारे पानी की आपूर्ति हो रही है। सरपंच ने बताया कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दूसरे गांवों पर निर्भर रहना पड़ता है। वे घिराय और आसपास के क्षेत्रों से अपने साधनों से पीने का पानी लाते हैं। सरपंच हिमांशु ने यह भी बताया कि लगभग 15 दिन पहले ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक विनोद भयाना से मिला था। उन्होंने विधायक को गांव की पेयजल समस्या से अवगत कराया था, जिस पर विधायक ने एक सप्ताह के भीतर खरकड़ी नहर से गांव के लिए अलग से पीने के पानी की लाइन बिछाने का अनुमान बनवाने का आश्वासन दिया था। ग्रामीण अनूप चैनत ने कहा कि जब परियोजना गांव के नजदीक से गुजर रही है तो गांव के लोगों का भी इस पानी पर हक बनता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा और परियोजना का कार्य नहीं होने दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता 24 से

हिसार। जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता 24 मई से 26 मई तक विद्युत नगर बैडमिंटन हॉल में आयोजित की जाएगी। इसमें जिला हिसार के लड़के व लड़कियां भाग ले सकती हैं। यह प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग - 09, 11, 13, 15, 17, 19 वर्ष से नीचे व ओपन कैटेगरी के लिए होगी। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रधान डॉ. कमल शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में लड़के व लड़कियां एकल, युगल व मिश्रित युगल तीनों कैटेगरी में खेल सकते हैं। प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी हिसार जिले से होने चाहिए।

श्री राधाकृष्ण बड़ा मंदिर में लगाया भंडारा

हिसार। श्री राधा कृष्ण बड़ा मंदिर में शनिश्चरी अमावस्या के अवसर पर मासिक भंडारा लगाया गया। भंडारे में मंदिर के श्रद्धालुओं ने अपनी सेवाएं दीं और भंडारे का प्रसाद का वितरण किया। भंडारे के प्रसाद में चावल, छोले, जलेबी और पेड़ा वितरित किया गया। मंदिर के महंत राहुल शर्मा ने बताया कि मंदिर की ओर से हर अमावस्या पर भंडारा लगाया जाता है। अमावस्या पर पितरों के निमित्त किया गया दान पुण्य फलीभूत होता है और हमारे पितरों का आशीर्वाद हमें मिलता है।

काली माता मंदिर में अमावस्या पर लगा भंडारा

हिसार। रामपुरा मोहल्ला स्थित श्रीकाली माता मंदिर के तत्वाधान में हर अमावस्या पर चलाये जाने वाले भंडारे की कड़ी में शनिवार को भी भंडारा चलाया गया। मंदिर समिति के प्रधान मदनलाल पकोड़ेवाले ने बताया कि इस बार शनि जयंती व शनि अमावस्या के उपलक्ष्य में विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा मंदिर के बाहर पुरी-सब्जी व खीर का भंडारा चलाया गया। सैंकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कैबिनेट मंत्री ने घटाया अपना वाहन काफिला

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को आत्मसात करते हुए अपने सरकारी वाहन काफिले की संख्या में कमी की है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने अपने काफिले में शामिल एस्कॉर्ट वाहन और स्टाफ कार को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से सरकारी संसाधनों के संयमित उपयोग तथा सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाने की अपील की है। इसी भावना के अनुरूप उन्होंने यह कदम उठाया है।

अपहरण कर मारपीट के मामले में दो काबू

हिसार। आजाद नगर पुलिस ने अपहरण कर मारपीट करने के मामले में आरोपी आदमपुर निवासी गोरी शकंर उर्फ गोरी व आटो मार्केट आदमपुर निवासी केशव शर्मा उर्फ लालू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में 14 मई को जवाहर नगर आदमपुर के कृष्ण की शिकायत पर आरोपियों द्वारा उसके साथ 06 अप्रैल को उसका अहरण कर चौधरीवास खेतों में ले जाकर मारपीट करने, मारपीट करते समय वीडियो बनाने और किसी को इस बारे बताने पर जान से मारने की धमकी देने पर मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच एएसआई सतबीर सिंह ने की। जांच के दौरान आरोपी गोरी शकंर उर्फ गोरी व केशव शर्मा उर्फ लालू को गिरफ्तार किया गया है।

मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में परिणाम उत्सव समारोह मनाया

हैप्पी पब्लिक स्कूल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हैप्पी पब्लिक स्कूल में दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। दसवीं कक्षा का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आने पर विद्यार्थियों के सम्मान के लिए परिणाम उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को सम्मानित किया गया। विद्यालय डायरेक्टर एवं प्राचार्य सुरेन्द्र बेरवाल ने बताया कि इस वर्ष 29 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा दी, जिनमें से 20 विद्यार्थियों ने बोर्ड मेरिट हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा उमंग वर्मा ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हांसी शहर में प्रथम स्थान हासिल किया। परिणाम उत्सव समारोह में पार्षद हरी राम सैनी ने मुख्यातिथि व राम कुमार सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य सुरेन्द्र बेरवाल ने कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से प्राप्त होती है। विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए हांसी शहर में रैली भी निकाली गई, ताकि अन्य बच्चे भी शिक्षा के प्रति प्रेरित होकर अपने माता-पिता के सपनों को साकार कर सकें।

हांसी। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते पार्षद हरिराम सैनी उनके साथ हैं स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र बेरवाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हांसी। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल प्राचार्य सतीश वर्मा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

श्रवण एवं वाणी निशक्त विद्यार्थियों ने रचा इतिहास

हिसार। सुंदर नगर स्थित श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय तथा जिले का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है। विद्यालय की कक्षा 12वीं के सभी 28 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया, वहीं कक्षा 10वीं के 41 विद्यार्थियों ने भी प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा। कक्षा 12वीं में छात्र अंकित ने 500 में से 404 अंक (80 प्रतिशत) प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। खुशी राठी ने 399 अंक लेकर द्वितीय, आशा रानी ने 389 अंक प्राप्त कर तृतीय, देविका ने 388 अंक लेकर चतुर्थ तथा कंचन ने 373 अंक प्राप्त कर पांचवां स्थान हासिल किया। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में रितु एवं खुशी ने 386 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रितेश ने 376 अंक लेकर द्वितीय स्थान हासिल किया।

सैंट ज्ञानेश्वर स्कूल का दसवीं का परिणाम रहा शत प्रतिशत

हांसी। हरियाणा शिक्षा बोर्ड के द्वारा जारी किया गया 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम में सैंट ज्ञानेश्वर स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया और इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल प्राचार्य सतीश वर्मा ने बताया कि 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में स्कूल के 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें 31 छात्रों ने बोर्ड मैरिट तथा 30 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की। उन्होंने बताया कि छात्रा नेहा ने 500 में से 481 अंक लेकर प्रथम तथा कृश ने 472 अंक लेकर द्वितीय तथा पलक और यश ने 467 अंक लेकर तृतीय स्थान हासिल किया। यश ने साइंस व सामाजिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये, नेहा ने भी गणित, हिन्दी व सामाजिक विज्ञान विषय में 100 में से 98 अंक प्राप्त किए। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को फूल-मालाएं तथा पगड़ी पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया।

कन्या गुरुकुल डोभी का दसवीं परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा

हिसार। कन्या गुरुकुल डोभी का दसवीं कक्षा का बोर्ड परीक्षा परिणाम शानदार रहा। सभी छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई। छात्रा भूमिका 80.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम रही। इसी प्रकार प्रियांसी 79.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय रही। गुरूकुल के मुख्याधिष्ठाता परमजीत सिंह ने शत प्रतिशत परिणाम आने पर विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्राचार्या संतोष कुमारी एमएबीएड (संस्कृत), अध्यापिका मोनिका, मंजीता, संतोष कुमारी, ममता, कुमारी प्रियंका तथा स्नेहलता का अथक प्रयास एवम् मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की मेहनत से स्कूल का परिणाम सराहनीय रहा है। भविष्य में भी इसी प्रकार गुरुकुल का परिणाम सराहनीय लाने का प्रयास किया जाएगा।

रॉयल स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

हिसार। सीबीएसई द्वारा जारी 12वीं के परीक्षा परिणाम में रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा-खेड़ी के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। पायल ने 94.4 फीसद, तमन्ना ने 94 फीसद, सिद्धित ने 92 फीसद अंक लेकर स्कूल में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है। सिद्धित ने गणित में 86, फिजिक्स में 85, कैमेस्ट्री में 97, पेंटिंग में 98, मोनू ने फिजिक्स में 85, वीणा ने अंग्रेजी में 98, वीणा और विद्या ने बायोलॉजी में 79, सपना ने संगीत में 100, तमन्ना ने हिंदी में 94 और राजनीति शास्त्र में 98, रस्म ने ज्योग्राफी में 93 और फिजिकल एजुकेशन में 85, अभिनव ने अकाउंटेंसी में 84, बिजनेस स्टडीज में 84 और अर्थशास्त्र में 95 अंक लेकर विषयवार प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एसडी कन्या विद्यालय में मेधावियों को किया सम्मानित

हांसी। श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित कक्षा दसवीं व बारहवीं सत्र 2025 - 26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की कक्षा बारहवीं की 64 छात्राएं तथा कक्षा दसवीं की 37 छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुईं। इनमें से बारहवीं कक्षा की 27 छात्राओं ने एवं दसवीं कक्षा की 23 छात्राओं ने बोर्ड मेरिट हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। जबकि विद्यालय की 93 छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में प्रथम डिवीजन प्राप्त की। विद्यालय की प्राचार्या रेनू बंसल ने शनिवार सुबह प्रार्थना सभा में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मालाएं पहनाकर उनका उत्साह- वर्धन किया। छात्राओं ने अपने परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्या, अध्यापिकाओं एवं अपने माता-पिता को श्रेय दिया।

ढाणा खुर्द में निकाली रैली

हांसी। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढाणा खुर्द का बोर्ड परीक्षाओं में उत्तम परिणाम आने के उपलक्ष्य में स्कूल प्रधानाचार्या अंजुला दहिया के अगुवाई में शनिवार को गांव में स्कूल विद्यार्थियों के माता-पिता और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ पूरे गांव में रैली निकाली। स्कूल प्रधानाचार्या अंजुला दहिया ने बताया कि कक्षा 12 में संजना ने 474 अंक प्राप्त करके विद्यालय में टॉप किया है। दूसरे स्थान पर भारती व तीसरे स्थान गरिमा रानी रही। बारहवीं का परिणाम 6 मेरिट और 24 प्रथम श्रेणी के साथ 90 फीसद रहा। इसके अलावा कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 100 फीसद रहा। नताशा मोहन ने संस्कृत में सौ प्रतिशत अंकों के साथ 485 (97फीसद) अंक प्राप्त करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

ओएसजीयू ने छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए एचएएससी से किया करार

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय (ओएसजीयू) ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, भारत सरकार के ट्रेनिंग पार्टनर हार्ट्रोन एडवांस्ड स्किल सेंटर और ग्रामीण शिक्षा प्राइवेट लिमिटेड, के साथ एक शैक्षणिक समझौता ज्ञापन किया है। इसका उद्देश्य छात्रों को हैंड्स ऑन ट्रेनिंग, लाइफ स्किल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से हस्ताक्षर किए गए, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशानिर्देशों के अनुरूप स्किल, पार्टिकल्स और वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की दूरी को कम करने में एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल व प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने इस प्रगतिशील पहल पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि यह ज्ञापन विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को व्यावसायिक एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए एचएएससी के उन्नत प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान करेगा।

सरकारी स्कूल पुट्टी समैन की छात्राओं ने जिद्द को जीत में बदल इतिहास रचा

नारनौंद। भिवानी बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा में कन्या विद्यालय पुट्टी समैन की सभी 21 छात्राओं का शत प्रतिशत परिणाम रहा। दस छात्राओं ने बोर्ड मेरिट और दस छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की। प्रियंका 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्नू और खुशी 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा और हिमानी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल प्रभारी अनिल राठी और ग्राम सरपंच धर्मराज ने सभी छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक अजय गोरान ने किया। इस अवसर पर अध्यापक अशोक राठी, सत्यवान, करण सिंह, नीलम देवी, कमलेश कुमारी, गीता खन्ना और आरती सैनी मौजूद थे।

राजकीय कन्या विद्यालय का परिणाम रहा सहरानीय

नारनौंद। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौंद की छात्राओं ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के घोषित परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 12वीं में छात्रा वंदना ने 500 में से 459 अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया। वहीं दिव्या ने 457 अंक और किरण ने 453 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की 17 छात्राओं ने बोर्ड मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। स्कूल के प्रिंसिपल उमेद दुहन ने बताया की बाहरवीं कक्षा की तरफ दसवीं कक्षा का परिणाम भी सराहनीय रहा। छात्रा खनक ने 453 अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि आरती ने 410 अंक हासिल किए। दसवीं कक्षा की कुल 10 छात्राओं ने मेरिट सूची में जगह बनाई। स्कूल प्राचार्य उमेद दूहन, नगरपालिका नारनौंद शमशेर कूकन व पूर्व पार्षद सुरेश ने बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया।

ऋषिकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भाटोल जटान के बच्चों का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए ऋषिकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भाटोल जटान ने इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षाओं में शानदार परिणाम देकर सफलता का नया अध्याय जोड़ा है। गत वर्षों की भांति इस बार भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल तथा अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया। दसवीं कक्षा में प्रियांका पुत्री अमरदीप ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ईशा ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा रिया ने 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। साक्षी ने 94 प्रतिशत, ईशा थुराना व रोमिल ने 93.6 प्रतिशत, प्राची ने 93 प्रतिशत, अप्शिता व दक्ष ने 92 प्रतिशत, खुशी ने 90 प्रतिशत, कार्तिक और दीपक ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त आयुष भाटोल, आयुष गढ़ी, सूरज तथा काम्या ने 85 प्रतिशत, सुमित ने 84 प्रतिशत, दीपांशु, वंश और तन्नू ने 83 प्रतिशत तथा साहिल ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का विद्यालय में स्वागत किया गया तथा उन्हें सम्मानित किया गया।

हिसार। गोल्ड पदक विजेता कुंजल विद्यालय के एमडी आरएस सिंधु के साथ।

होली चाइल्ड की कुंजल ने राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

हिसार। होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की बारहवीं कक्षा की प्रतिभावान छात्रा कुंजल ने अंडर-19 बास्केटबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में कुंजल ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए अपनी टीम को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रबंधन निदेशक आरएस सिंधु ने कुंजल को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी निरंतर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कुंजल की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह उपलब्धि कठोर परिश्रम, समर्पण एवं नियमित अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय की प्राचार्या अनीता पन्नू दलाल, खेल विभागाध्यक्ष रामनिवास श्योकंद व कोच नीतू मोर ने कुंजल की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

आसरा सोसायटी ने पुलिस कर्मियों को वितरित किए एनर्जी ड्रिंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। आसरा सोसायटी के अध्यक्ष दीपक नागपाल पुलिस कर्मियों को एनर्जी ड्रिंक देते हुए। फोटो : हरिभूमि

आसरा सोसायटी की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के विभिन्न चौकों पर ड्यूटी दे रहे पुलिस कर्मचारियों की सेवा के लिए एनर्जी ड्रिंक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस सेवा कार्य का नेतृत्व सोसायटी अध्यक्ष समाजसेवी डॉ. दीपक नागपाल ने किया। इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र मेहता, प्रो. प्रेम तनेजा, नरेंद्र अनेजा, आलोक सिंह छाबड़ा, सुरेंद्र मेहता, शांतनु मलिक, परवीन असीजा, सतीश सरदाना, शंकर नांगरू, विजय नागपाल, सुरेंद्र नागपाल, डॉ. हेमंत आहूजा, डॉ. निरंजन मेहता, सब इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा, रमेश शर्मा, परवीन वर्मा, महेश मेहता, चिराग एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। साथ ही ट्रैफिक इंस्पेक्टर एसएचओ रिसाल सिंह, सब इंस्पेक्टर मेहर सिंह, एएसआई नरेंद्र, होमगार्ड मुकेश एवं अमन भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शहर के अलग-अलग चौकों पर तैनात पुलिसकर्मियों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए एनर्जी ड्रिंक वितरित की गई। डॉ. दीपक नागपाल ने कहा कि समाज सेवा सबसे बड़ा धर्म है। इस भीषण गर्मी में पुलिस कर्मचारी दिन-रात अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, इसलिए उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

कैरियर की नई राह दिखाती सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

एडवोकेट महावीर पुनिया।

शहर के प्रतिष्ठित सिटी कालेज ऑफ एजुकेशन बालसमंद रोड़, आर्य नगर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दो नए जॉब-ओरिएंटेड कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली से संबद्ध इस कालेज में बीए ऑनर्स संस्कृत विद सिविल सर्विसेज स्टडीज और बी.एस.सी यौगिक सांइस में दाखिले 15 मई से शुरू हो चुके हैं। सिटी कॉलेज के डायरेक्टर महावीर पुनिया ने बताया कि बीए (ऑनर्स) एवं सिविल सेवा अध्ययन विषयों को एक साथ रखने का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को इन क्षेत्र में करियर के लिए साथ ही यूपीएससी, सिविल सेवा और विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि छात्रों के समग्र विकास के लिए तैयार किया गया। बीए ऑनर्स एवं सिविल सेवा अध्ययन स्नातको को व्यापक अवसरों के सक्षम बनता है, जिनमें आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि राज्यों के लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं, विभिन्न सरकारी, निजी और पीएसयू नौकरियों के लिए पात्रता उक्त कोर्स के अध्ययन में पांच प्रमुख विषयों - इतिहास, भूगोला अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और सामान्य अध्ययन को शामिल किया गया है।

यूनीक स्कूल के विद्यार्थियों ने 5 पदक जीते

हांसी। लाल सड़क स्थित यूनीक हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने जाट धर्मशाला में आयोजित 9वीं इंटर स्कूल कराटे चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने 2 रजत व 3 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह उपलब्धि सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक रही। इस अवसर पर विद्यालय की प्रचार्या गीता ने बच्चों व कोच पवन को बधाई दी और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं आगे भी होती रहेंगी। इनसे बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

42 साल पुरानी लाइन बदलने और अधूरे पड़े खंभों का काम पूरा करने की मांग

बिजली से परेशान ग्रामीणों ने हांसी-बरवाला रोड किया जाम

कई घंटे सड़क जाम होने से राहगीरों को उठानी पड़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

बरवाला रोड़ स्थित चैनत गांव में लगातार बिजली कटौती और खराब आपूर्ति व्यवस्था से परेशान ग्रामीणों ने शुक्रवार रात हांसी-बरवाला रोड़ जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग उठाई। कई घंटों तक सड़क जाम रहने से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार पिछले करीब एक महीने से गांव की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। गांव निवासी अनूप सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से लगातार बिजली कटौती हो रही थी, जिससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। भीषण गर्मी के बीच लंबे कटों से ग्रामीणों में भारी रोष है।

हांसी। रोड़ जाम कर रहे ग्रामीणों को समझाते भाटला पुलिस चौकी प्रभारी व अन्य।

42 साल पुरानी हो चुकी है बिजली लाइन

ग्रामीणों का कहना है कि गांव को बिजली आपूर्ति देने वाली लाइन करीब 42 साल पुरानी हो चुकी है। उनका आरोप है कि बिजली विभाग न तो पुरानी लाइन की उचित मरम्मत करवा रहा है और न ही नई लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगभग 150 नए बिजली खंभे लगाए गए थे, लेकिन उनका कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, जिसके कारण समस्या और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली संकट को लेकर कुछ दिन पहले उन्होंने विनोद भयाना से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया था। उस दौरान अधिकारियों ने एक सप्ताह में समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार रात करीब 10 बजे सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

खरक पुनिया में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया

हिसार। खरक पुनिया गांव में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। सुखदा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से आयोजित इस कैंप में लोगों के लिए बीपी, ब्लड शुगर और ईसीजी जैसी जरूरी जांचें निशुल्क की गईं। डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। कैंप को सफल बनाने में गांव की सरपंच श्रीमती कृष्णा देवी तथा उनके पति नफे सिंह पुनिया की अहम भूमिका रही। कैंप में मौजूद चिकित्सा विशेषज्ञों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने और गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

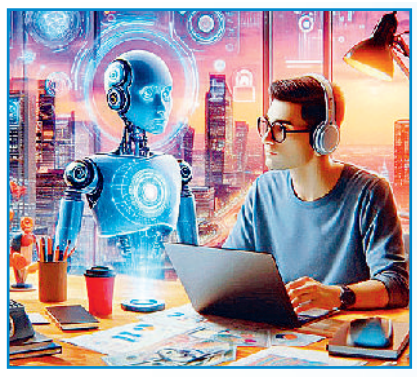

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड }

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

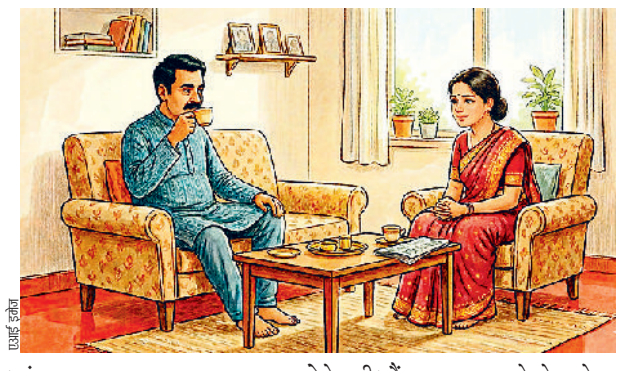

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

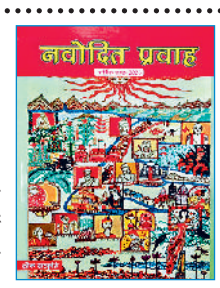

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

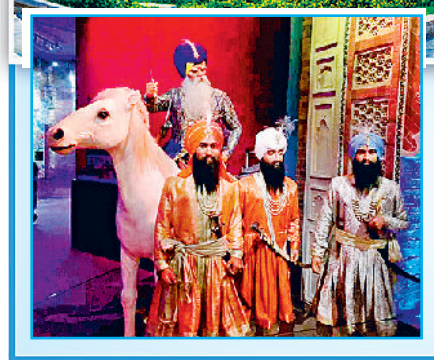

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।